

नम्बर 1
अधिकार
दुबम की लक्षण
में जारी हुए

उपखण्ड अधिकारी
शिव

पत्रावली पेश हुई।

उभय पक्ष अधिवक्ता उप0।

उभय पक्ष अधिवक्ता को सुना।

प्रार्थी अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र का संक्षिप्त कथन यह है कि प्रार्थी की खातेदारी के खेत खसरा नम्बर 159, 161 रकबा कमशः 50.19, 97.18 बीघा ग्राम शिव तहसील शिव जिला बाडमेर में आये हुए है तथा विप्रार्थी संख्या 1 से 04 के खातेदारी के खेत खसरा नम्बर 158, 162 रकबा कमशः 50.12, 69.05 बीघा भी इसी ग्राम में आये हुए है। प्रार्थी ने विप्रार्थीगण की खातेदारी के खेतों में से अपनी खातेदारी भूमि में आने जाने हेतु कई वर्षों से रास्ते के रूप में उपयोग करते आ रहे हैं। प्रार्थी को अपने खातेदारी खेत एवं जोत में आने जाने हेतु अन्य कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है, काश्त के समय प्रार्थी की जोत के चारों ओर के काश्तकार अपनी भूमि पर काष्ठ कर लेते हैं, जिससे प्रार्थी को अपनी जोत में आने जाने हेतु बाधा उत्पन्न होती है एवं हर बार रास्ते को लेकर पक्षकारान के मध्य विरोध होता है जिससे पक्षकारान के मध्य झगडा होने की सम्भावना रहती है। प्रार्थी ने जो रास्ता बरंग लाल से दर्शाया है वह विप्रार्थी संख्या 1 से 04 की खातेदारी भूमि है जिससे आगे सरकारी खसरा नम्बर 172 व उससे आगे शिव से गडरा जाने वाली सडक स्थित है तथा उक्त सडक से प्रार्थी के खातेदारी भूमि में आने जाने हेतु मार्ग की आंत्यान्तिक आवश्यकता है तथा मार्ग के अभाव में प्रार्थी को अपनी खातेदारी भूमि में आने जाने हेतु मार्ग की रूकावट पैदा होती है। प्रार्थी रास्ते की भूमि का उपयोग मात्र आवागमन हेतु ही करेंगे, इस संबंध में प्रार्थी रास्ते बाबत विप्रार्थीगण की खातेदारी भूमि के अन्य किसी प्रकार का अधिकार प्राप्त नहीं करेंगे। अतः प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन है कि प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर विप्रार्थी संख्या 1 से 04 के खेत खसरा नम्बर 158, 162 रकबा कमशः 50.12, 69.05 बीघा ग्राम शिव, तह0 शिव की भूमि में से बरंग लाल दर्शाये अनुसार रास्ता दिलवाया जावे।



प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर विप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। विप्रार्थी संख्या 1 से 04 की ओर से वकील ब्रजमोहन कुमावत उपस्थित हुए। विप्रार्थी संख्या 1 से 04 की ओर से जवाब आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उपखण्ड अधिकारी
शिव

विप्रार्थीगण ने अपने जवाब में प्रार्थी के प्रार्थना पत्र को अस्वीकार करते कथन किया है कि प्रार्थी हम विप्रार्थीगण के खेत खसरा नम्बर 158, 162 में पिछले 30 वर्षों से रास्ते का उपयोग नहीं कर रहे हैं, प्रार्थी अपने खातेदारी खेत में कभी काश्त करने आता है तो भी हमने नहीं देखा एवं प्रार्थी हम विप्रार्थीगण के खेत के सेढे पर से या खेत में से होकर नहीं गुजरता है इसलिये प्रार्थी ने हम विप्रार्थीगण के खातेदारी खेत में से रास्ते की मांग गलत की है साथ ही प्रार्थी ने जो नजरी नक्शा पेश किया है वह बिलकुल गलत रूप से बनाया है प्रार्थी को सडक/कटाण मार्ग तक आने आने हेतु सेढा पर अन्य जगह से सीधा सरल एवं सुगम रास्ता उपलब्ध होते हुए भी विप्रार्थीगण के खेत में से गलत रास्ते की मांग कर रहे हैं। प्रार्थी के खसरा नम्बर 159, 160 के एकदम सेढा पर सरहद मौजा गूंगा के खसरा नम्बर 515 की सम्पूर्ण सरकारी भूमि मौके पर पूर्णतया खाली भूमि उपलब्ध पडी है जो सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग सं 15 पर व कटाण मार्ग में जाकर मिलती है। प्रार्थी ने रास्ते हेतु जो डिमाकेषन किया है वह गलत किया है क्योंकि धारा 251ए के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है कि किसी जोत में जाने आने के लिए सुविधा जनक उपभोग नहीं देखा जायेगा तथा अन्य खातेदार की जोत में से होकर प्रार्थी विशिष्ट रूप से नये मार्ग खुलवाने के मामले में उक्त खेत तक पहुंचने के लिये वैकल्पिक रास्ते का अभाव सिद्ध होना आवश्यक है। किन्तु प्रार्थी अपने प्रार्थना पत्र में इस धारा 251ए के प्रयोजन को सिद्ध करने में पूर्णतया विफल रहा है प्रार्थी ने जहां से रास्ते की मांग की है वह विधिसम्मत नहीं है क्यो कि शिव से गडरा जाने वाली सडक से लगता हुआ सरकारी खसरा नहीं होकर ग्राम शिव के खसरा नम्बर 172 नाडी का आगौर है। नाडी के आगौर में किसी भी प्रकार से रास्ता कटाण करने पर रोक है ऐसी स्थिति में प्रार्थी डिमाकेषन किये हुए स्थान से रास्ता खुलवाने ने हकदार नहीं है तथा प्रार्थी मौके पर कभी भी विप्रार्थीगण के खेत से होकर अपने खेत में नहीं गया तथा नहीं मौजूदा समय विप्रार्थी के खेत से होकर आवागमन का कोई रास्ता प्रार्थी के खेत तक जाता हो। प्रार्थी पिछले कई वर्षों से खसरा नम्बर 155, 156 व 157 में से होकर आवागमन करता है। जहां मौजूदा समय में मौके पर रास्ता चलाये मान है। ऐसी स्थिति में भी प्रार्थी का आवेदन खारिज योग्य है। अतः प्रार्थी का उक्त प्रार्थना पत्र विप्रार्थी संख्या

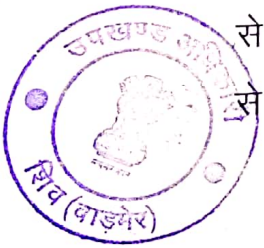


[Handwritten Signature]
उपखण्ड अधिकारी
शिव

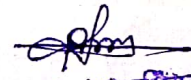
1 से 4 को नाहक परेशान करने की नियत से पेश किया है जो तथ्यों से परे होने से प्रार्थी का आवेदन खारिज किया जावे।

हमने प्रकरण में तहसीलदार शिव से तथ्यात्मक मौका रिपोर्ट प्राप्त की गई।

प्रार्थना पत्र पर उभय पक्ष अधिवक्ता की बहस सुनी गई। प्रार्थी अधिवक्ता ने अपनी बहस में निवेदन किया कि प्रार्थी की खातेदारी के खेत खसरा नम्बर 159, 161 रकबा क्रमशः 50.19, 97.18 बीघा ग्राम शिव तहसील शिव जिला बाडमेर में आये हुए है तथा विप्रार्थी संख्या 1 से 04 के खातेदारी खेत खसरा नम्बर 158, 162 रकबा क्रमशः 50.12, 69.05 बीघा भी इसी ग्राम में आये हुए है। प्रार्थी ने विप्रार्थीगण की खातेदारी के खेतों में से अपनी खातेदारी भूमि में आने जाने हेतु कई वर्षों से रास्ते का उपयोग करते आ रहे है। प्रार्थी को अपने खातेदारी खेत एवं जोत में आने जाने हेतु अन्य कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है तथा कृषि कार्य के लिए ट्रैक्टर लाने ले जाने व पानी की टंकी लाने में परेशानी होती है इसलिए बरंग लाल में दर्शित स्थान पर रास्ता खुलवाया जावे। अतः विप्रार्थी द्वारा की गई उक्त आपत्ति को खारिज किया जाकर। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर विप्रार्थी संख्या 1 से 04 के खेत खसरा नम्बर 158, 162 रकबा क्रमशः 50.12, 69.05 बीघा ग्राम शिव, तह0 शिव की भूमि में से तहसीलदार शिव द्वारा प्राप्त मौका रिपोर्ट के संलग्न नक्शा ट्रेस में मार्क सी से डी बरंग लाल डॉट से दर्शाये अनुसार रास्ता दिलवाया जावे।



इसके विपरीत विप्रार्थी संख्या 1 से 4 के अधिवक्ता ने अपनी बहस में जवाब के कथनों को दोहराते हुए निवेदन किया कि प्रार्थी हम विप्रार्थीगण के खेत खसरा नम्बर 158, 162 में से पिछले 30 वर्षों से रास्ते का उपयोग लेने का कथन झुठा बताया है। प्रार्थी अपने खातेदारी खेत में कभी काश्त करने आता है तो भी हमने नहीं देखा एवं प्रार्थी हम विप्रार्थीगण के खेत के सेढे पर से या खेत में से होकर नहीं गुजरता है इसलिये प्रार्थी ने हम विप्रार्थीगण के खातेदारी खेत में से रास्ते की मांग गलत की है साथ ही प्रार्थी ने जो नजरी नक्शा पेश किया है वह बिलकुल गलत रूप से बनाया है।


उपखण्ड अधिकारी

हमने उभय पक्ष अधिवक्ता की बहस को सुना एवं पत्रावली उपलब्ध दस्तावेजों एवं तहसीलदार शिव द्वारा प्राप्त मौका रिपोर्ट का गंभीरता पूर्वक अवलोकन किया। इस सन्दर्भ में धारा 251ए का वर्णन अवाश्यक रहेगा।

251क:- अन्य खातेदार की जोत में से होकर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना या नया मार्ग

खोलना या विद्यमान मार्ग का विस्तार करना -(1) जहां

(क) कोई अभिधारी, अपनी जोत की सिचाई के प्रयोजन के लिए किसी अन्य खातेदार की जोत में से होकर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना चाहता है या

(ख) कोई अभिधारी या अभिधारीयों का समूह अपनी जोत या, यथास्थिति, उनकी जोतों तक पहुंचने के लिए अन्य खातेदार की जोत में से होकर एक नया मार्ग बनाना चाहता है या किसी विद्यमान मार्ग को विस्तारित या चौड़ा करना चाहता है -

और मामला पारस्परिक सहमति से तय नहीं होता है तो ऐसा अभिधारी या, यथास्थिति, ऐसे अभिधारी ऐसी सुविधा के लिए सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी को आवेदन का सकेंगे और उपखण्ड अधिकारी, यदि संक्षिप्त जांच के पश्चात् उसका समाधान हो जाता है कि :-

1. यह आवश्यकता आत्यातिक आवश्यकता है और यह जोत के केवल सुविधाजनक उपभोग के लिए नहीं है, और

2. अन्य खातेदार की जोत में से होकर, विषिष्ट रूप से नये मार्ग के मामले में, पहुंचने के वैकल्पिक साधन का अभाव सिद्ध किया गया है-

तो आदेश द्वारा, आवेदक को, अभिधारी, जो उस भूमि को धारित करता है, द्वारा सीमांकित या दर्शित लाईन के साथ-साथ भूमि की सतह से कम से कम तीन फुट नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए या ऐसे ट्रेक पर, जो उस अभिधारी द्वारा जो उस भूमि को धारित करता है, दर्शाया जाये भूमि में से होकर, और यदि ऐसा ट्रेक दर्शित नहीं किया जाये तो लघुतम या निकटतम रूट से होकर एक नया मार्ग जो तीस फुट से अधिक चौड़ा न हो, बनाने के लिए या विद्यमान मार्ग को तीस फुट से अनधिक तक विस्तारित या चौड़ा करने के लिए उस अभिधारी को, जो उस भूमि को धारित करता है, जिसमें से होकर पाइपलाइन बिछाने या एक नया मार्ग बनाने या विद्यमान मार्ग को चौड़ा करने का अधिकार मंजूर किया जाये, ऐसे प्रतिकर के संदय पर जो विहित रीति से उपखण्ड अधिकारी द्वारा अवधारित किया जावे, अनुज्ञात कर सकेगा।

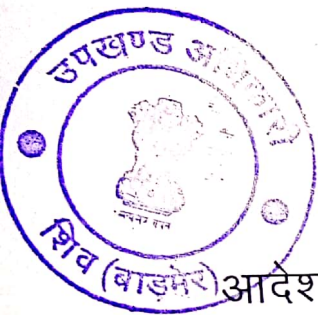
तहसीलदार शिव द्वारा तैयार कि गई मौका रिपोर्ट में अत्यान्तिक आवश्यकता और अन्यत्र रास्तों का अभाव सिद्ध नहीं हो पाया है और नहीं प्रार्थीगण यह सिद्ध कर पाये है।

दिनांक 31.03.2016 को न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी द्वारा पारित निर्णय में वर्णन है कि स्वीकृत रास्ता मुख्य सडक में से नहीं मिलता है। दिनांक 02.01.2017 में प्राप्त माका फर्द एवं संलग्न नक्शे के आधार पर स्पष्ट है कि रिपोर्ट में प्रस्तावित रास्ता भी मुख्य सडक से नहीं मिल रहा है।


उपखण्ड अधिकारी
शिव

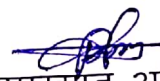
नावली पर

लिहाजा प्रार्थी की और से प्रस्तुत अन्तर्गत धारा 251ए का आवेदन पत्र अस्वीकार कर खारिज किया जाता है।




उपखण्ड अधिकारी
शिव

आदेश आज दिनांक 21/10/19.....को सरे इजलास सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
शिव

